MR. CHAIRMAN: How can he reply if you go on interrupting at every sentence?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अच्छे और बुरे लोग सभी जगह हैं। हम बुरे लोगों की संख्या घटाना चाहते हैं और जो रंग सामंजस्य में विश्वास करते है उनको प्रोत्साहन देना चाहते हैं। लेकिन अगर जैसे को तैसा की भाषा केसरी जी बोलेंगे और 11 महीने में उन्होंने यह भाषा सीख ली है . . .

श्री सीताराम केसरी : जो आपने सीख ली है, वही मैं सीख रहा हूं।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : सभापति महोदय, मुझे सीखने में 20 साल लगे।

श्रीमन्, यह मामला जैसे को तैसा की नीति से हल नही होगा। इसे एक अलग धरातल पर सोचने और हल करने की आवश्यकता है।

SHRI KALI MUKHERJEE: To bring in racialism in this matter would be provoking the situation. We must not do that. That is number one. Number two is, the problem has arisen due to cheap labour that goes from Pakistan and India as against the very dear labour or very expensive labour that the British citizens are accustomed to. This is absolutely an economic conflict. But there are racists everywhere in the world; racists are there even in our country. Therefore, the question of racialism should not be brought into world citizenship. It will be a wrong process and must not be copied like Pakistan. I do hope that the Minister will give full consideration to it before going into the consideration of world citizenship.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: I thank the hon. Member for making this suggestion.

श्री विश्वम्भर नाथ पांडे : क्या माननीय मंत्री जी ने श्वेत भावना को ध्यान में रखकर वहां काले को नही, गोरे को भेजा है ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : वे नाम के गोरे हैं, चाम के गोरे नहीं हैं।

*242. [*The questioners (Shri Bhupesh Gupta, Shri S. Kumaran and Dr. Z. A. Ahmad were absent. For answer vide Col. .. in fra.*]

राजस्थान नहर परियोजना के लिए ईरान द्वारा ऋण देने का प्रस्ताव

†243. **श्री कल्पनाथ राय** :*
श्री रामानन्द यादव :

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि ईरान की सरकार ने राजस्थान नहर के द्वितीय चरण को पूरा करने के लिए इस शर्त पर दीर्घकालीन ऋण देने का प्रस्ताव किया है कि नहर के पूरा होने के पश्चात् ऋण की अदायगी गेहूं के रूप में की जाये;

(ख) क्या भारत सरकार ने इस प्रस्ताव के निर्बन्धनों तथा शर्तों को स्वीकार कर लिया है; और

(ग) यदि हां, तो नहर को पूरा करने के लिए अनुमानतः कितनी धनराशि की आवश्यकता पड़ेगी और इसके कब तक पूरा हो जाने की संभावना है ?

†[**Iran's offer of loan for Rajasthan Canal Project**

*243. SHRI KALP NATH RAI:†
SHRI RAMANAND YADAV:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Government of Iran have offered a long-term loan for the completion of

---

†The quesion was actually asked on the floor of the House by Shri Kalp Nath Rai.

†[ ] English translation.

the second phase of the Rajasthan Canal with the stipulation for its repayment in wheat after the completion of the canal:

(b) whether the Government of India have accepted the terms and conditions of the offer: and

(c) if so, what is the estimated amount required for the completion of the canal and by when it is likely to be completed?]

विदेश मंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी) : (क) और (ख) ईरान ने प्रतिवर्ष ऋण की शर्तों के आधार पर या एक मुश्त अदायगी के आधार पर औपेक मूल्य पर अतिरिक्त कच्चे तेल की सप्लाई करने की पेशकश की है। इन किश्तों की या एक मुश्त अदायगी की राशि के बराबर रकम रुपयों में भारत में जमा की जाएगी चाहे इसका इस्तेमाल पूंजीनिवेश या खर्च में किया जाये अथवा अनुमोदित परियोजनाओं में धन लगाने में जिसमें राजस्थान नहर के द्वितीय चरण की परियोजना भी शामिल है। सरकार ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। अब दोनों सरकारों द्वारा इसका ब्यौरा तैयार किया जायेगा।

(ग) अनुमान है कि राजस्थान नहर के द्वितीय चरण के इंजीनियरी काम पर 228 करोड़ रुपये की लागत आयेगी और यह 1983-84 तक पूरा हो जायेगा।

†[THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE): (a) and (b) Iran has offered to make available additional crude oil supplies annually at OPEC price on credit terms or lump sum payment. The Rupee equivalent of these instalments or the lump sum will be funded in India, whether for investment or expenditure or could be used to finance the approved projects including the Second Stage of Rajasthan Canal. Government have accepted the offer. The details are to be worked out by the two Governments subsequently.

(c) The engineering works of the Second Stage of Rajasthan Canal is estimated to cost Rs. 228 crores and is scheduled to be completed by 1983-84]

श्री कल्पनाथ राय : महोदय, क्या भारत सरकार यह बतलाने की कृपा करेगी कि ईरान और भारत के बीच जो यह समझौता हुआ है, उसकी टर्म्स आफ कन्डीशंस क्या हैं ? दूसरी बात जो मैं जानना चाहता हूं वह यह है कि ईरान के शाह की बहन जो इस समय भारत आई हुई हैं, उनके साथ भारत सरकार इस समझौते के सम्बन्ध में क्या बात कर रही है ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : सभापति महोदय, ईरान के शहंशाह जब भारत आये थे, तो उनके साथ इस समझौते के बारे में बातचीत हुई थी। सिद्धान्त रूप में सहमति हो गई है, लेकिन क्या शर्तें होंगी, विवरण क्या होगा, कच्चा तेल हम कितनी मात्रा में खरीदेंगे, उसमें जो रुपया बचेगा, उसको किन परियोजनाओं में लगायेंगे, यह बातें ऐसी हैं जिनके बारे में अभी अंतिम निर्णय नहीं किया गया है। जहां तक शहंशाह की बहन का प्रश्न है, उनके साथ समझौते के बारे में कोई बातचीत नहीं हुई है।

श्री कल्पनाथ राय : विदेश मंत्री यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या उन्होंने ईरान के शहंशाह को यह वचन दिया है कि यदि आप हमारी यह सहायता करेंगे तो हम ईरान के जो छात्र हिन्दुस्तान में हैं, उनको कुचल देंगे और उनकी जो आजादी की लड़ाई है उसको उठने नहीं देंगे ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : जी नहीं, ऐसा कोई वचन नहीं दिया गया है।

श्री कल्पनाथ राय : सभापति महोदय, एक सवाल है. . .

MR. CHAIRMAN: No, no third supplementary.

†[ ] English translation.

श्री कल्पनाथ राय : क्या यह बात सही नहीं है कि जिस समय ईरान के शाह. . .

MR. CHAIRMAN: No special case for you... (*Interruptions*).

The question is if you put a third supplementary, will the Minister be willing to reply?

श्री कल्पनाथ राय : एक स्पष्टीकरण तो पूछने दीजिये। क्या भारत सरकार यह बताने की कृपा करेगी कि जिस समय ईरान के शाह यहां पर आये थे उस समय जबकि समझौते की बात चल रही थी ईरान के छात्रों ने अपने मुल्क में लोकशाही की स्थापना के लिए प्रदर्शन किया था और ईरान के शाह के कहने पर भारत सरकार ने उन छात्रों पर लाठी की वर्षा की थी, उनका दमन किया था और उनको जेलों में बन्द किया था। क्या यह बातें सही नही है?

श्री रामानन्द यादव : क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि राजस्थान कैनाल के दूसरे चरण को कम्पलीट करने में कितना पैसा लगेगा और उसके एवज़ में जितना पैसा लगेगा कितना तेल ईरान की सरकार हम को देगी और भारत सरकार को कितना गेहूं ईरान को उसके बदले में भेजना पड़ेगा?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : सभापति महोदय, मैंने कहा है कि जहां तक ईरान के साथ समझौते की बात है अभी विवरण की चीजें तय नही हुई हैं लेकिन राजस्थान नहर पर अनुमानतः 404 करोड़ रुपया खर्च किया जायेगा जो दो चरणों में होगा। एक चरण पूरा हो गया है जिसके अन्तर्गत 204 किलोमीटर की एक फीडर नहर बनी है, 179 किलोमीटर की राजस्थान मेन कैनाल, 152 किलोमीटर की लाईफ कैनाल। अब मैं समझता हूं कि सदन को इस विवरण में कोई रुचि नहीं होगी। शेष धन के लिए जो दूसरे चरण के लिए आवश्यक होगा उसे जुटाया जा रहा है और हम यह आशा करते हैं कि जो कैनाल का पूरा करने का समय है 1983-84, उस समय तक यह नहर बनकर तैयार हो जायेगी।

SHRI RAMANAND YADAV: Sir, one more question.

MR. CHAIRMAN: You are not allowed. Only the first person is allowed to put two questions.

श्री सुन्दर सिंह भंडारी : मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि ईरान के साथ तेल की बातों की डिटेल्स तय नही हुई हैं और यह निश्चित नही हुआ है कि कितना तेल हम मंगा कर कितना रुपया राजस्थान नहर के लिए दे देंगे तो फिर यह योजना 1983-84 में समाप्त हो जाएगी, इसके निर्धारण के लिए क्या आधार है? मैं यह भी जानना चाहता हूं कि 228 करोड़ रुपये की आवश्यकता में से कम से कम कितना रुपया इस एग्रीमेंट के आधार पर राजस्थान नहर को अलाट किया जाएगा?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : सभापति महोदय, राजस्थान नहर का निर्माण जब हमने प्रारम्भ किया तो इस विश्वास के साथ किया कि यह नहर हमें अपने बलबूते पर पूरी करनी पड़ेगी। यह विश्वास अभी तक अपनी जगह पर कायम है। अगर उसे पूरा करने में कही से हमें सहायता प्राप्त होती है तो उसे लेने के लिए हम तैयार हैं लेकिन मैं नहीं समझता कि नहर को पूरा करने का काम ईरान से किया जाए कि तेल कितनी मात्रा में आता है और उससे कितना रुपया उपलब्ध होता है, उस पर निर्भर करता है।

श्री सुन्दर सिंह भंडारी : सभापति महोदय, मैंने इसलिए यह सवाल पूछा कि मंत्री महोदय ने यह कहा कि हमने अपने आधार पर शुरू किया था लेकिन उनकी जानकारी में होगा कि यह योजना स्टेगर कर रही है और पूरी नहीं हो पा रही है।

SHRI RISHI KUMAR MISHRA: Sir, will the hon. Minister assure this House that, when the terms are discussed with the Government of Iran the Government of India will not make a commitment that entire production of the Rajasthan Canal command area, or a substantial part thereof, will be pledged for supply to Iran? Reports have already appeared in the press saying that, under the terms of the agreement, the entire production of 30 lakh acres of the command area of the Rajasthan Canal, or a substantial part thereof, will be pledged for supply to Iran till the entire money is repaid. If such an agreement is made it will mean that we will be leaving out 30 lakh acres of Indian soil for agricultural production for the purposes of Iran. That would be a step detrimental to Indian interests. Will the hon. Minister give a categorical assurance that such an agreement will not be made?

MR. CHAIRMAN: This question pertains to the loan only.

SHRI RISHI KUMAR MISHRA: This question pertains to the repayment of the loan.

MR. CHAIRMAN: That is all right. You have made a suggestion.

SHRI RISHI KUMAR MISHRA: It is not a suggestion. Sir, it is a pointed question because the Hon. Minister has said that the terms are being discussed and will be discussed. I want him to give a categorical assurance to this House that when the terms are finalised, the Government will not make a commitment that the entire production or a substantial part of the production of the 30 lakh acres of the Rajasthan Canal command area will be pledged for supply to Iran.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: Sir, while discussing the terms and conditions, the view point expressed by the Hon. Member will be kept in mind.

श्री गणेश लाल माली : सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि यह जो लोन लिया जायेगा वह कितने साल का होगा, कितने इंस्टालेशंस के अन्दर आयल सप्लाई किया जायगा कितने इंस्टालमेंट में गेहूं देना पड़ेगा, आयल और गेहूं के रेट्स क्या होंगे और जो आयल दिया जायगा उस पर जो मनी बनेगी उस मनी पर कितना इंटरेस्ट दिया जायगा ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : श्रीमन्, अभी यह ब्योरे की बातें तय नहीं हुई है, इनके बारे में भविष्य में बातें होंगी ।

*244. [*The questioner (Shri F. M. Khan) was absent. For answer vide Col. infra.*]

Legislation to Provide Basic Necessities to Workers

245. SHRI MAHENDRA BAHADUR SINGH:
SHRI SAWAISINGH SISODIA:†
SHRI SAT PAUL MITTAL:
SHRIMATI HAMIDA HABIBULLAH:
SHRI PRAKASH MEHROTRA:

Will the Minister of PARLIAMENTARY AFFAIRS AND LABOUR be pleased to state:

(a) whether Government propose to bring forward a Bill before the Parliament to provide basic necessities like food, shelter, clothing and medical aid to the labourers working out side their home states; and

(b) if so, what are the details in this rgeard?

श्रम तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री लारग सई) : (क) और (ख) अनुमानत: संकेत दादन श्रमिकों की ओर है, जिन्हें उड़ीसा राज्य के बाहर स्थित निर्माण परियोजनाओं में काम करने के लिए आमतौर पर उड़ीसा से भर्ती किया जाता

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Sawaisingh Sisodia.